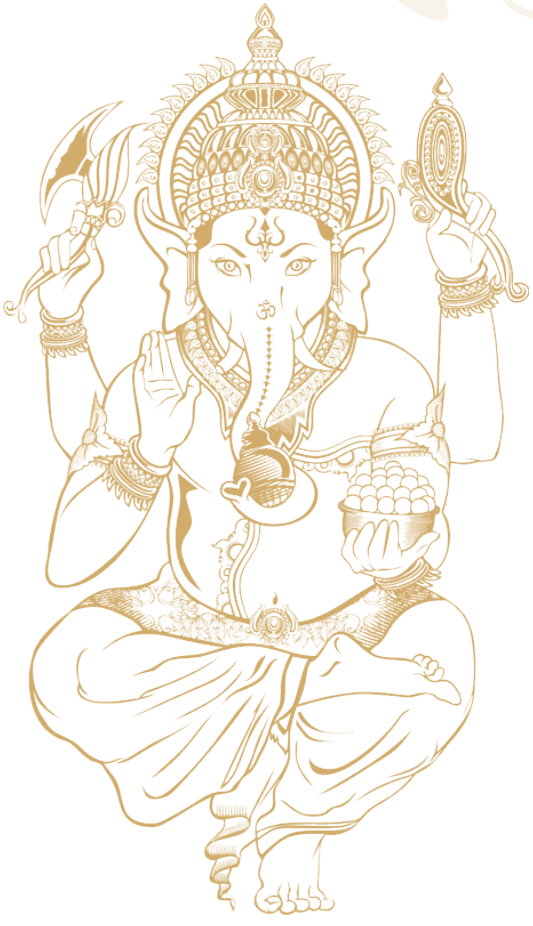

Gajendra Chauhan

14 Mar 1994

02:30 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121810902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13-14/03/1994**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**02:30:00 घंटे**
इष्ट	50:52:58 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:33:32 घंटे
वेलान्तर	-00:09:36 घंटे
साम्पातिक काल	13:58:34 घंटे
सूर्योदय	06:08:48 घंटे
सूर्यास्त	18:03:43 घंटे
दिनमान	11:54:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	29:16:26 कुम्भ
लग्न के अंश	22:28:11 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शुक्ल
करण	बालव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देवांशु
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	22:28:11	360:50:53	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कुंभ	29:16:26	00:59:51	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	16:43:32	11:56:19	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	11:15:58	00:47:11	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
बुध			कुंभ	02:15:36	00:43:30	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	सम राशि
गुरु	व		तुला	20:35:56	00:02:29	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	12:46:45	01:14:35	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	उच्च राशि
शनि		अ	कुंभ	11:29:22	00:07:04	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	01:51:08	00:09:04	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	01:51:08	00:09:04	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	सम राशि
हर्ष			मक	01:37:10	00:02:17	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप			धनु	29:04:44	00:01:21	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	04:14:53	00:00:26	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			तुला	08:02:05	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:49

लग्न-चलित

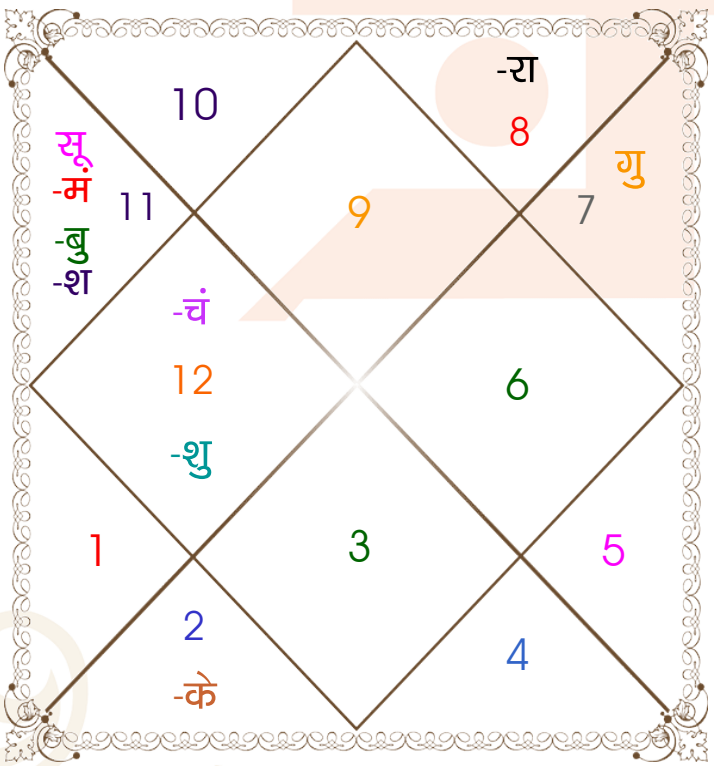

चन्द्र कुंडली

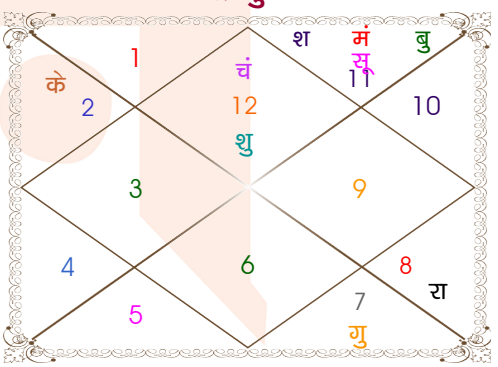

नवमांश कुंडली

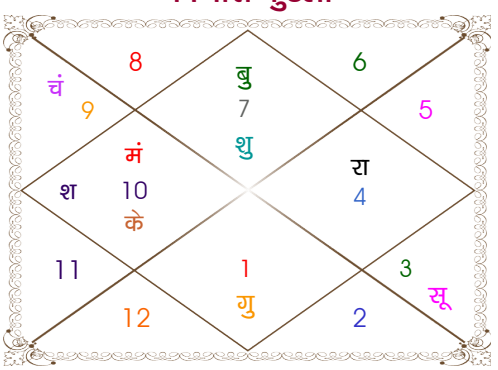

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 16 वर्ष 11 मास 2 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
14/03/1994		14/02/2011		14/02/2018		14/02/2038		15/02/2044	
14/02/2011		14/02/2018		14/02/2038		15/02/2044		14/02/2054	
बुध	13/07/1996	केतु	14/07/2011	शुक्र	16/06/2021	सूर्य	04/06/2038	चंद्र	15/12/2044
केतु	10/07/1997	शुक्र	12/09/2012	सूर्य	16/06/2022	चंद्र	03/12/2038	मंगल	16/07/2045
शुक्र	10/05/2000	सूर्य	17/01/2013	चंद्र	15/02/2024	मंगल	10/04/2039	राहु	15/01/2047
सूर्य	16/03/2001	चंद्र	19/08/2013	मंगल	16/04/2025	राहु	04/03/2040	गुरु	16/05/2048
चंद्र	16/08/2002	मंगल	15/01/2014	राहु	15/04/2028	गुरु	21/12/2040	शनि	15/12/2049
मंगल	13/08/2003	राहु	02/02/2015	गुरु	15/12/2030	शनि	03/12/2041	बुध	17/05/2051
राहु	01/03/2006	गुरु	09/01/2016	शनि	14/02/2034	बुध	10/10/2042	केतु	16/12/2051
गुरु	06/06/2008	शनि	17/02/2017	बुध	15/12/2036	केतु	14/02/2043	शुक्र	15/08/2053
शनि	14/02/2011	बुध	14/02/2018	केतु	14/02/2038	शुक्र	15/02/2044	सूर्य	14/02/2054

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
14/02/2054		14/02/2061		14/02/2079		14/02/2095		15/02/2114	
14/02/2061		14/02/2079		14/02/2095		15/02/2114		00/00/0000	
मंगल	13/07/2054	राहु	28/10/2063	गुरु	04/04/2081	शनि	17/02/2098	बुध	15/03/2114
राहु	01/08/2055	गुरु	23/03/2066	शनि	16/10/2083	बुध	28/10/2100		00/00/0000
गुरु	07/07/2056	शनि	27/01/2069	बुध	21/01/2086	केतु	07/12/2101		00/00/0000
शनि	15/08/2057	बुध	16/08/2071	केतु	28/12/2086	शुक्र	06/02/2105		00/00/0000
बुध	13/08/2058	केतु	03/09/2072	शुक्र	28/08/2089	सूर्य	19/01/2106		00/00/0000
केतु	09/01/2059	शुक्र	03/09/2075	सूर्य	16/06/2090	चंद्र	20/08/2107		00/00/0000
शुक्र	10/03/2060	सूर्य	28/07/2076	चंद्र	16/10/2091	मंगल	28/09/2108		00/00/0000
सूर्य	16/07/2060	चंद्र	27/01/2078	मंगल	21/09/2092	राहु	05/08/2111		00/00/0000
चंद्र	14/02/2061	मंगल	14/02/2079	राहु	14/02/2095	गुरु	15/02/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 16 वर्ष 11 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म लग्न के उदय के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका यह जन्म लग्नादिक संयोजन आपके आदर्श जीवन का आधारशिला आनंदपूर्ण पराकाष्ठा का सृजन करता है, जो आपके जीवन के लिए सुखद एवं उन्नति कारक प्रतीत होता है। आप स्वाभाविक रूप से निष्कपट व्यक्ति है। परंतु जन सामान्य के मध्य "जैसे को तैसा" वाले सिद्धांत के अनुयायी हैं। आप विश्वसनीयता पूर्वक निश्चित जीवन व्यतीत करेंगे।

आप प्रायः सदैव ही अपने पक्ष की रूपरेखा तैयार करने में लगे रहते हैं। आप आकर्षक व्यक्तित्व एवं उत्तम स्वास्थ्य के संबंध में सौभाग्यशाली हैं। आप थोड़ी शिक्षा प्राप्त करके भी बैल की सींग जैसी पैनी कार्य क्षमता द्वारा अपनी सफलता हेतु कार्य संपादन करते रहेंगे। आपमें जन्मजात अंतर्ज्ञान एवं शक्ति विद्यमान है। आप अपनी कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु पूर्व ही सभी तथ्यों का अध्यापन कर हर दृष्टिकोण से तत्पर रहते हैं एवं अपनी कार्य योजना पूर्णरूपेन संपन्न करने में सक्षम हो जाते हैं।

आप किसी भी तरह दो प्रकार चाल की विशेषताओं से मुड़ने की प्रवृति रखते हो। पहली बात तो यह है कि आप जूआ के प्रलोभन में फंसकर संतुष्ट होना चाहते हो। परिणाम स्वरूप क्षति उठाना पड़ता है। दूसरी बात यह कि आप धारा प्रवाह बात चीत करते हो। इस कारण मानवीय स्वाभाविक विश्वसनीयता अन्य लोगों की दृष्टि में नष्ट हो जाती है। आप सदैव स्पष्ट रूप से किसी भी बात को जन सामान्य के मध्य प्रकट कर के अन्यों के द्वारा छेड़-खानी के शिकार बनते हो। आप सदैव अपनी पैनी तीक्ष्ण शाब्दिक उच्चारण करके अन्य लोगों की आत्मा पर चोट पहुंचाते हो। इस कारण आप जब कभी अपना मैत्री पूर्ण अधिकार जताना चाहते हो तो तुम्हारे मित्र इस बातों का बहिष्कार करते हैं।

आप वैदेशिक लोगों के प्रति आकर्षित रहते हो। आप सदैव उनसे परिचय एवं संपर्क बढ़ाना चाहते हो एवं उनको अपनी दृष्टि में उच्चतम बनाकर अपना लेना चाहते हो। यदि आप सर्तकता पूर्वक वार्तालाप कर सम्पर्क में ले आएं तो यह संभाव्य है कि आप वैदेशिक भ्रमण कार्य पूरा कर सकते हैं।

आप निःसंदेह एक सुंदर भवन के स्वामी होंगे तथा अपनी प्यारी पत्नी एवं व्यवहार कुशल संतान से सुखी रह सकते हैं। परंतु आपमें बाहर भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है क्योंकि आप खेल-कूद तथा भ्रमण कार्य में व्यस्त रहकर घर से बाहर रहते हैं। अस्तु आप घर-गृहस्थी के लिए सक्षम नहीं हैं। आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल एवं शानदार कार्य, कंपनी लॉ, वैदेशिक लोगों के साथ व्यापार संबंध स्थापित करना, शैक्षणिक कार्य, राजनीति कार्य एवं शैक्षणिक संबंधी कार्य एवं धार्मिक संस्थान के कार्य उत्तम हैं।

यदि आप निम्नांकित निर्देशों को ध्यान में रखकर कार्यों का प्रस्तुतीकरण करें तो बिना किसी भी व्यवधान के सफल हो जाओगे।

आपके लिए अंको में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुकरणीय है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए लाल, मोतिया एवं काले रंग को छोड़ कर शेष सफेद, क्रीम रंग, सूआपंखी रंग, नीला, हरा एवं नारंगी शुभ एवं अनुकूल हैं।